Harmony in Existence
अस्तित्व में व्यवस्था

स्वयं में अध्ययन

1. अध्ययन वस्तु:

   a. चाहना - लक्ष्य — सुख, समृद्धि → निरंतरता

   b. करना - कार्यक्रम — सुख = संगीत में, व्यवस्था में जीना

↓

व्यवस्था को समझना, व्यवस्था में जीना

1. मानव में व्यवस्था
2. परिवार में व्यवस्था
3. समाज में व्यवस्था
4. **अस्तित्व में व्यवस्था**

2. अध्ययन विधि

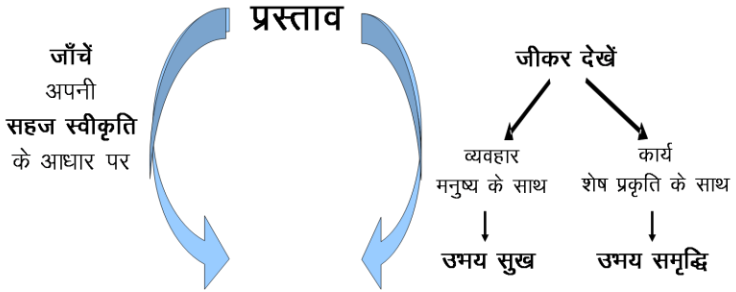

Harmony in Existence अस्तित्व में व्यवस्था

अस्तित्व	=	अस्ति	+	त्व
		↓		↓
		है / होना		व्यवस्था

Existence =		Exist	+	Essence, whatever exists
		↓		↓
		to be		harmony

अस्तित्व	=	सह–अस्तित्व	=	व्यावक में संपृक्त इकाइयां
Existence =		Co- Existence	=	Units submerged in Space

अस्तित्व EXISTENCE = सह–अस्तित्व Co-existence

Units इकाई
Limited सीमित आकार
Active क्रियाशील

submerged in
संपृक्त

Space व्यापक (All Pervading)
Unlimited असीमित
No activity क्रियाशून्य (शून्य)

Energized ऊर्जित
Self-Organised
नियंत्रित स्वयं में व्वस्था है।
Recognizes and fulfills the relation
परस्परता को पहचानती है, निर्वाह करती है
जानना, मानना, पहचानना, निर्वाह करना चैतन्य में बडी व्वस्था में भागीदार है। समग्र व्वस्था में भागीदार है।

Harmony in Existence अस्तित्व में व्यवस्था

Existence अस्तित्व = **CO-EXISTENCE सह–अस्तित्व**

Units	Submerged in	Space
इकाइयां	संपृक्त	शून्य (All Pervading, व्यापक)
Limited in Size सीमित आकार		Unlimited असीम
Activity, Active क्रिया, क्रियाशील		No Activity क्रियाशून्य (शून्य)

1. Energised (ऊर्जित) in Space
2. Self Organised (नियंत्रित, स्वयं में व्यवस्था है) in Space
3. Recognises it's relationship & Fulfills it with every other Unit in Space

(परस्परता को पहचानती है, निर्वाह करती है

बडी व्यवस्था में भागीदार है, समग्र व्यवस्था में भागीदार है)

अस्तित्व = सहअस्तित्व = व्यापक में संपृक्त इकाई

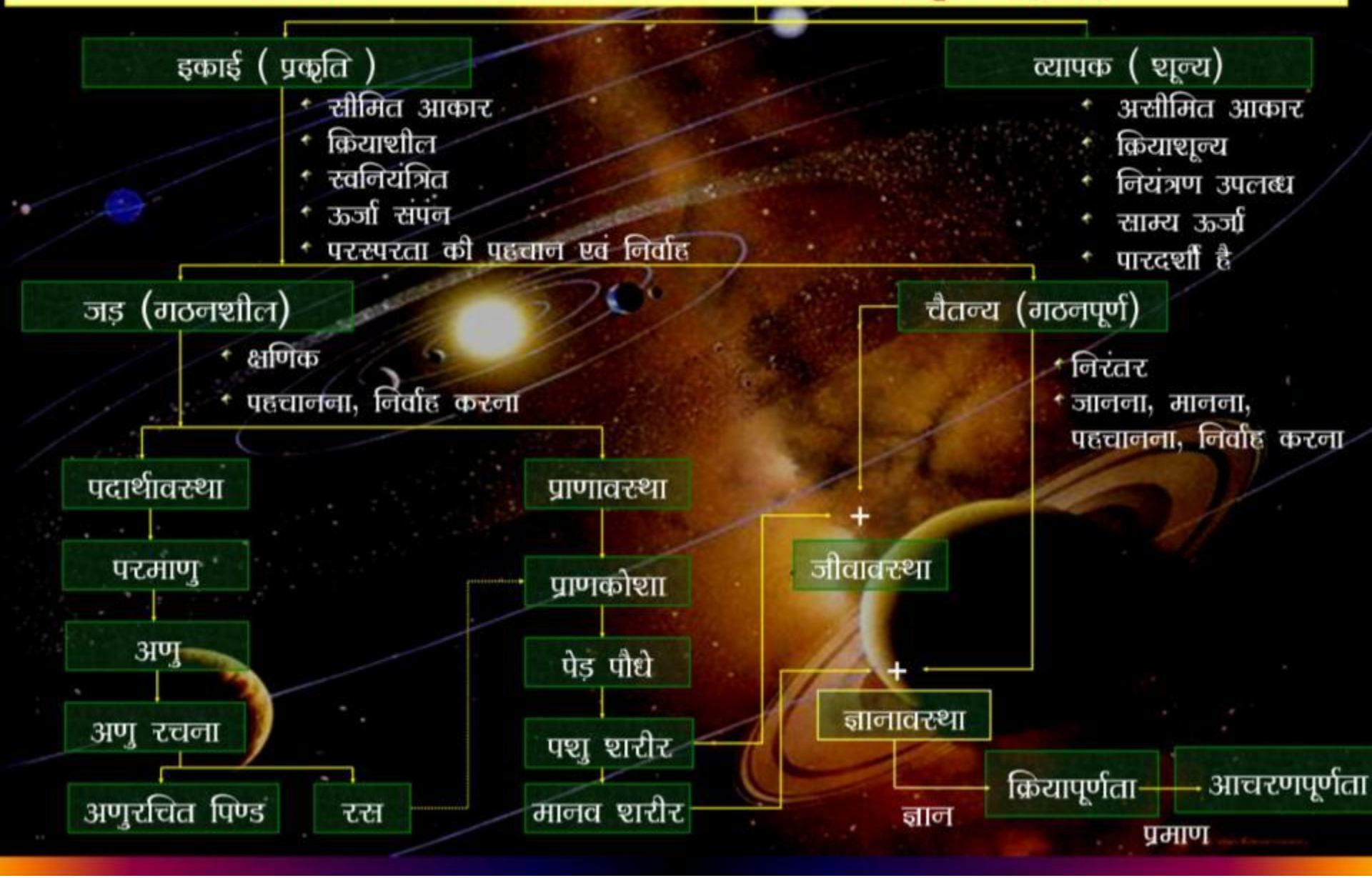

सारांश

अस्तित्व सहअस्तित्व पूर्वक है।

अस्तित्व = सहअस्तित्व = शून्य में संपृक्त इकाइयां

अस्तित्व में हर इकाई परस्परपूरक हैं।

अस्तित्व व्यवस्थापूर्वक ही है। हमें व्यवस्था बनानी नहीं है।

मनुष्य के लिए कार्यक्रम/भागीदारी इस व्यवस्था को समझना और फिर व्यवस्थापूर्वक जीना है।

1. अस्तित्व को सहअस्तित्व पूर्वक व्यवस्था के रूप में समझना
2. अस्तित्व की हर इकाई के साथ संबंध/व्यवस्थापूर्वक जीना

हम देख सकते हैं ....

सुख इस बात का सूचक है कि

1. हमने व्यवस्था को ठीक–ठीक समझा है
2. हम व्यवस्थापूर्वक जी रहे हैं

} सभी 4 स्तर पर

दुख इस बात का सूचक है कि हमारा प्रयास इस अर्थ में नहीं है कि

1. हम व्यवस्था को ठीक–ठीक समझ सकें
2. हम व्यवस्थापूर्वक जी सकें

} सभी स्तर पर
1, 2, 3, 4

हमारा प्रयास इस अर्थ में है कि

1. हम व्यवस्था को ठीक–ठीक समझा सकें
2. हम व्यवस्थापूर्वक जी सकें

} सभी 4 स्तर पर
1. स्वयं में, व्यक्ति के स्तर पर
2. परिवार में
3. समाज में
4. प्रकृति/अस्तित्व में

यही अस्तित्व में हमारी भागीदारी है .....

अब हम इस बात की जाँच परख कर सकते हैं–

अस्तित्व व्यवस्था है या अव्यवस्था?

क्या संघर्ष प्रकृति में स्वाभाविक है?

क्या हमने स्वयं को ठीक–ठीक समझा है?

क्या हमने अपनी आवश्यकताओं की ठीक–ठीक पहचान कर ली है?

क्या हमने मानव लक्ष्य को व्यक्ति एवं समाज के स्तर पर पहचान लिया है?

हम समझ के आधार पर जी रहे हैं, या मान्यता के आधार पर?

हमें इन सब बातों को स्वयं के अधिकार पर समझना है।

मानव के लिए कार्यक्रम

1. सहअस्तित्व को समझना

1.1 सहअस्तित्व को समझना	**ज्ञान**
1.2 सहअस्तित्व पूर्वक भाव एवं विचार	**समाधान**

2 सहअस्तित्व पूर्वक जीना

2.1 मानव के साथ संबंधपूर्वक जीना –परिवार से विश्व परिवार तक	**अखण्ड समाज**
2.2 प्रकृति समग्र के साथा व्यवस्थापूर्वक जीना –परिवार व्यवस्था से विश्व परिवार व्यवस्था तक	**सार्वभौम व्यवस्था**

Our Role in Existence – 1. Realisation of Co-existence (WITHIN)

Space शून्य

Self (I) मैं

	Force / Power बल / शक्ति	Activity क्रिया	Natural Acceptance सहज स्वीकृति
1.		Realization अनुभव	Co-existence सह–अस्तित्व
2.		Understanding बोध	Harmony in Nature व्यवस्था
3.	Desire इच्छा	Imaging चित्रण	Participation in Larger Order व्यवस्था में भागीदारी
4.	Thought विचार	Analysing विश्लेषण	
5.	Expectation आशा	Selecting/Tasting चयन / आस्वादन	

Contemplation चिंतन

Body शरीर	Behaviour व्यवहार	Work कार्य	Participation भागीदारी
Other दूसरा	Human मानव	Rest of Nature मनुष्येत्तर प्रकृति	in larger Order व्यवस्था में

Our Role in Existence – 2. Universal Human Order (EXPRESSION)

Space शून्य

Self (I) मैं

	Force / Power बल / शक्ति	Activity क्रिया	Natural Acceptance सहज स्वीकृति
1.		Realization अनुभव	Co-existence सह–अस्तित्व
2.		Understanding बोध	Harmony in Nature व्यवस्था
3.	Desire इच्छा	Imaging चित्रण	Participation in Larger Order व्यवस्था में भगीदारी
4.	Thought विचार	Analysing विश्लेषण	
5.	Expectation आशा	Selecting/Tasting चयन / आस्वादन	

Contemplation चिन्तन

Body शरीर	Behaviour व्यवहार	Work कार्य	Participation भागीदारी
Other दूसरा	Human मानव	Rest of Nature मनुष्येत्तर प्रकृति	in larger Order व्यवस्था में
	Mutual Happiness उभय सुख	Mutual Prosperity उभय समृद्धि	Fulfillment of Human Goal मनव लक्ष्य की पूर्ती
	Undivided Human Society अखण्ड मानवीय समाज		Universal Human Order सार्वभौम मानवीय व्यवस्था

Human Tradition मानवीय परंपरा

Our role in existence is to recognize human target, and ensure it…

मानवीय लक्ष्य

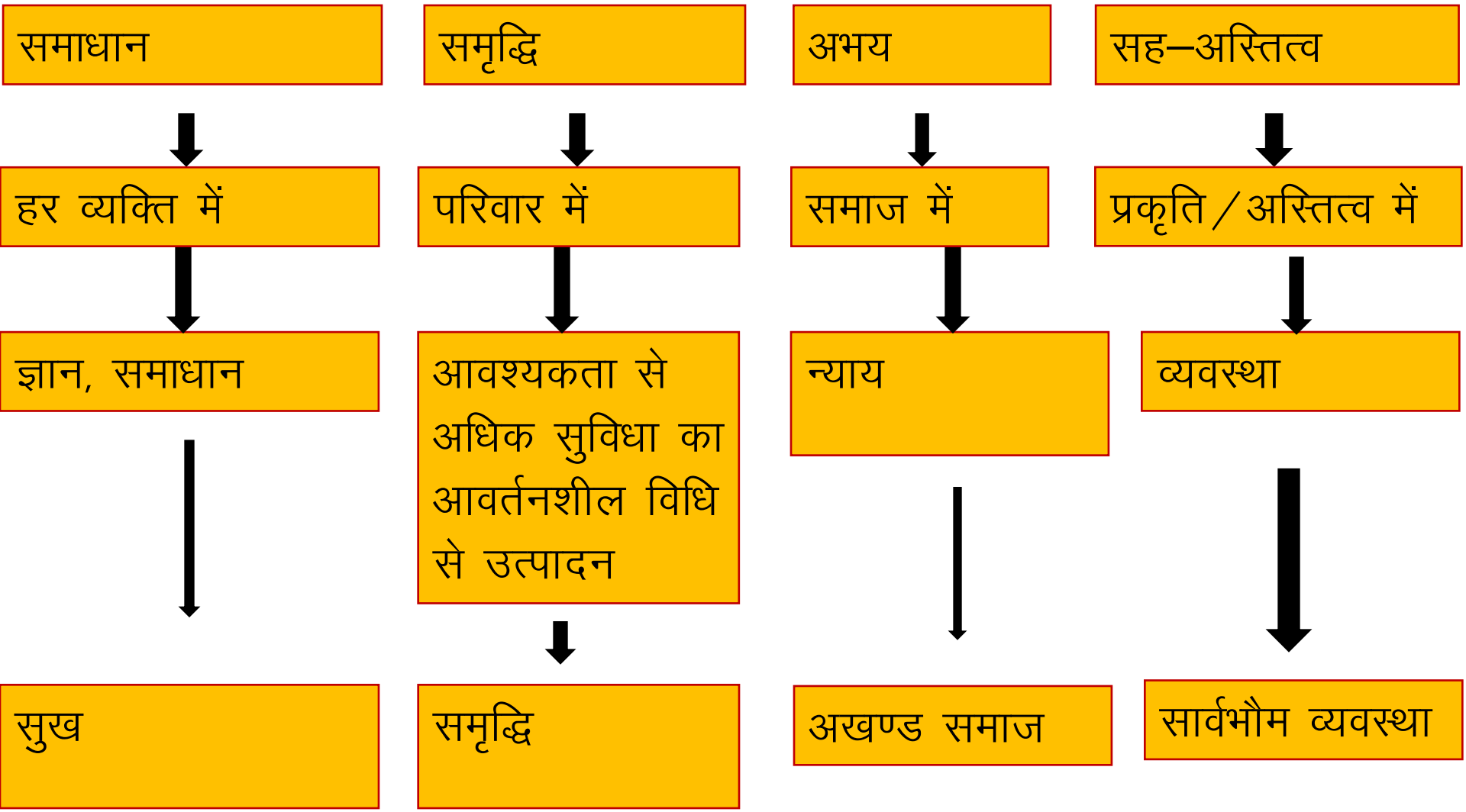

सार

स्तर	स्थिति	गति
अस्तित्व	सह– अस्तित्व	सार्वभौम व्यवस्था
मानव	अनुभव	प्रमाण
परस्परता में	प्रेम, करूणा	अखण्ड समाज

Level	**State**	**Expression**
Existence	Co-existence	Universal Human Order
Human Being	Realisation	Evidence, Authentication
In Mutual relationship	Love, Compassion	Undivided Society